8. मनोवैज्ञानिक उपन्सास कला पर प्रकाश डालिए।

9. 'आशा अमर धन' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।



**85**

# HD–02

## June/December – Examination 2020

## B.A. (Part I) Examination

### Hindi

### हिन्दी गद्य भाग-II (कथा साहित्य)

### Paper : HD-02

*Time : **2** Hours* ] [ *Maximum Marks : **70***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **7×2=14**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'प्रेत की छाया' और 'संन्यासी' उपन्यास के रचयिता का नाम बताइए।

   (ii) आंचलिक कहानी किसे कहते हैं ?

(iii) 'उसने कहा था' कहानी का मूल भाव लिखिए।

(iv) 'पुरस्कार' कहानी के प्रमुख स्त्री पात्र का नाम बताइए।

(v) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी में वृद्ध व्यक्ति स्वयं को और सरकारी कर्मचारियों को किस नाम से संबोधित करता है ?

(vi) अमृतलाल नागर के कोई **दो** उपन्यासों के नाम बताइए।

(vii) 'बुद्धु का कांटा' और 'सुखमय जीवन' कहानी के कहानीकार का नाम लिखिए।

**खण्ड—ब** **4×14=56**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"आतंक से विवेक कुण्ठित होता है और या तो मनुष्य उससे उत्तेजित ही रहता है, या उसके भय से दबा रहता है। दोनों ही स्थितियाँ श्रेष्ठ नहीं हैं। हमारा लक्ष्य बुद्धि को चारों ओर से जगाना है, उसे आतंकित करना नहीं। सरकार व्यक्ति के और राष्ट्र के विकास के ऊपर बैठकर उसे दबाना चाहती है। आतंक से वह काम नहीं होगा। जो शक्ति के मद से उन्मत्त है, असली काम तो उसका मद उतारने और उसमें कर्त्तव्य भावना का प्रकाश जगाने का है।"



3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"घंटी बजी, फाइल हिली, बाबुओं की बुलाहट हुई और आधा घंटे बाद बेताज बादशाह मुस्कुराता हुआ बाहर निकल आया। उत्सुक आँखों की भीड़ ने उसे देखा तो वह फिर बोलने लगा, "चूहों की तरह बिटर-बिटर देखने से कुछ नहीं होता। भौंको-भौंको, सबके सब भौंको, अपने आप सालों के कानों के पर्दे फट जायेंगे। भौंको कुत्तों, भौंको।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

खैर, सेठजी, चिन्ता न करें, नीलकांत इन तकलीफों के बारे में तभी तक सोचेंगे, जब तक उन्हें बैठने के लिए ठीक-ठाक जगह नहीं मिल जाती या हद से हद जब तक यह सफर जारी है। गाड़ी से उतर जाने पर वह गाड़ी के बारे में सब भूल जायेंगे और फिर यही सोचने लगेंगे, जो सेठ लोग सोचवाना चाहते हैं। पर क्या पता ? अगर कल कोई दूसरी तकलीफ आयी, आयेगी ही—और उसका असली जिम्मेदार, कौन है—तो ?

5. 'निर्मला' उपन्यास के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

6. 'पूस की रात' कहानी के परिवेश (वातावरण) का चित्रण कीजिए।

7. कहानी के प्रमुख तत्त्वों का वर्णन कीजिए।